

न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध बैंक प्रकरण संख्या 4/6/2023(GCMS : 2023/186)

पंजाब नेशनल बैंक जरिये श्री ओम प्रकाश क्रिसनिया, प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-गौशाला रोड़, 173-174 जीब्लॉक, सुखाड़िया सर्कल, श्रीगंगानगर (राज.)

बनाम

रेणु पुत्री श्री बुधराम निवासी प्लॉट नं. डी-35, रॉयल एन्क्लेव, गांव कालियां, चक 4-जी बड़ी, जिला श्रीगंगानगर (राज.)



04.10.2023

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने जरिये अधिवक्ता श्री भारत भूषण महेन्द्रा ने एक प्रार्थना पत्र वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा अप्रार्थी रेणू को ऋण सुविधा के रूप में 5.50/- लाख रुपये (अखरे रुपये पांच लाख पचास हजार मात्र) के ऋण की स्वीकृति दिनांक 20.05.2020 को प्रदान की था। ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी रेणू की अचल सम्पत्ति प्लॉट नं. डी 35, रॉयल एन्क्लेव (क्षेत्रफल 581.25 वर्गफुट), मुरब्बा नं. 13, किल्ला नं. 2,3,8,9,12,13,18,19,22 एवं 23, गांव कालियां, चक 4 जी बड़ी तहसील व जिला श्रीगंगानगर का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जाने की प्रार्थना की है।

मैने, पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थी रेणू को 5.50/- लाख रुपये (अखरे रुपये पांच लाख पचास हजार मात्र)के ऋण की स्वीकृति प्रदान की था, ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी रेणू की अचल सम्पत्ति प्लॉट नं. डी 35, रॉयल एन्क्लेव (क्षेत्रफल 581.25 वर्गफुट), मुरब्बा नं. 13, किल्ला नं. 2,3,8,9,12,13,18,19,22 एवं 23, गांव कालियां, चक 4 जी बड़ी तहसील व जिला श्रीगंगानगर, प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक

जिला मजिस्ट्रेट  
श्री गंगानगर




के प्रार्थना धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थी ऋणी का खाता दिनांक 01.03.2023 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणी को धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 15.04.2023 को जारी कर पोस्ट ऑफिस के रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.04.2023 को भिजवाये जाना अंकित किया है, जिसकी रसीद पत्रावली में उपलब्ध है, परन्तु अप्रार्थीगण की प्राप्ति रसीद/ऑनलाईन ट्रैक पत्रावली में उपलब्ध नहीं है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।

जहां तक ऋण की एवज में बंधक रखी गई अप्रार्थी रेणू की अचल सम्पत्ति प्लॉट नं. डी 35, रॉयल एन्वलेव (क्षेत्रफल 581.25 वर्गफुट), मुरब्बा नं. 13, किल्ला नं. 2,3,8,9,12,13,18,19,22 एवं 23, गांव कालियां, चक 4 जी बड़ी तहसील व जिला श्रीगंगानगर, जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

जहां तक अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के जारी नोटिस दिनांक 15.04.2023 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 15.04.2023 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के नोटिस अप्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.04.2023 भिजवाना अंकित है और जिसकी रसीद पत्रावली में उपलब्ध है और अप्रार्थी रेणू का ऑनलाईन ट्रैक पत्रावली में उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थी रेणू को धारा 13(2) के नोटिस की तामील हो गई है किन्तु अप्रार्थी

  
जिला मजिस्ट्रेट  
श्री गंगानगर

सहऋणी बुधराम को पत्रावली में पक्षकार नहीं बनाया गया और न ही धारा 13(2) के नोटिस जारी किये गये हैं। इसलिए समस्त अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील होना नहीं माना जा सकता। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 के अनुसार समस्त अप्रार्थीगण ऋणियों को धारा 13(2) का नोटिस जारी करना आवश्यक होता है

नोटिस तामील के सम्बन्ध में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के नियम 3 निम्नानुसार अवलोकनीय है:

#### Demand Notice


The service of demand notice as referred to in sub-section (2) of section 13 of the Ordinance shall be made by delivering or transmitting at the place where the borrower or his agent, empowered to accept the notice or documents on behalf of the borrower, actually and voluntarily resides or carries on business or personally works for gain, by registered post with acknowledgement due, addressed to the borrower or his agent empowered to accept the service or by Speed Post or by courier or by any other means of transmission of documents like fax message or electronic mail service:

**PROVIDED** that where authorised officer has reason to believe that **the borrower or his agent is avoiding the service of the notice or that for any other reason, the service cannot be made as aforesaid, the service shall be effected by affixing a copy of the demand notice on the the outer door or some other conspicuous part of the house or building in which the borrower or his agent ordinarily resides or carries on business or personally works for gain and also by publishing the contents of the demand notice in two leading newspaper, one in vernacular language, having sufficient circulation in that locality.**

(2) Where the borrower is a body corporate the demand notice shall be served on the registered office or any of the branches of such body corporate as specified under sub rule(a)

(3) Any other notice in writing to be served on the borrower or his agent by authorised officer, shall be served in the same manner as provided in this rule.

(4) Where there are more than one borrower the demand notice shall be served on each borrower.

  
जिला मजिस्ट्रेट  
श्री मंगानथ

चूंकि प्रार्थीगण धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 15.04.2023 को जारी कर अप्रार्थी रेणू को रजिस्टर्ड डाक से भिजवाये जाने अंकित है और अप्रार्थी सहऋणी बुधराम को प्रकरण में पक्षकार नहीं बनाया गया है और न ही धारा 13(2) के नोटिस जारी किये गये हैं। इसलिए धारा 13(2) के नोटिस की तामील अप्रार्थीगण ऋणी/सहऋणी/गारंटर पर नोटिस की तामील स्वयं पर होनी आवश्यक है जबकि समस्त अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील स्वयं पर नहीं हुई है जो उक्त THE SECURITY INTEREST (ENFORCEMENT) RULES, 2002 के RULE 3(4) के प्रावधानों की अवहेलना है। इस प्रकार समस्त अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील होना नहीं माना जा सकता।


कोई भी न्यायालय किसी भी प्रचलित/प्रभावी अधिनियम के प्रावधानों के बाहर जाकर कोई निर्देश/आदेश जारी नहीं कर सकता है और इसके सम्बन्ध माननीय उच्चतम न्यायालय की खण्डपीड ने 2012 Cr. I.R.(SC) 726 - State of Bihar & Anr versus Arvind Kumar & Anr के पैरा-13 में भी निम्न प्रकार से निर्देश दिये हैं:

13. In Manish Goel Vs Rohini Goel, AIR 2010 SC 1099, this Court has held that generally, no Court has competence to issue a direction contrary to law nor the Court can direct an authority to act in contravention of the statutory provisions. The Courts are meant to enforce the rule of law and not to pass the orders or directions which are contrary to what has been injected by law. [see also : Vice Chancellor, University of Allahabad & Ors. Vs Dr. Anand Prakash Mishra & Ors., (1997) 10 SCC 264; and Karnataka State Road Transport Corporation Vs Ashrafulla Khan & Ors, AIR 2002 SC 629]

  
जिला मजिस्ट्रेट  
श्री गंगानगर

चूंकि अप्रार्थीगण पर उक्त RULE 3(4) के प्रावधानों के तहत धारा 13(2) के नोटिस की तामील न होने के कारण एवं उक्त कानूनी प्रावधानों की अवहेलना होने के कारण, प्रार्थी पंजाब नेशनल बैंक का उक्त प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 स्वीकार करने योग्य नहीं है। प्रार्थी बैंक/कम्पनी का उक्त प्रार्थना खारिज किया जाता है। प्रार्थी बैंक/कम्पनी उक्त अधिनियम 2002 की पूर्ण पालना करते हुए अप्रार्थीगण को पुनः धारा 13(2) के नोटिस जारी कर सम्पूर्ण कार्यवाही नये सिरे से कर पुनः धारा 14 का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के लिए स्वतन्त्र है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ़तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 04.10.2023 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(अंशदीप)

**जिला मजिस्ट्रेट**  
**श्री मंगानगर**